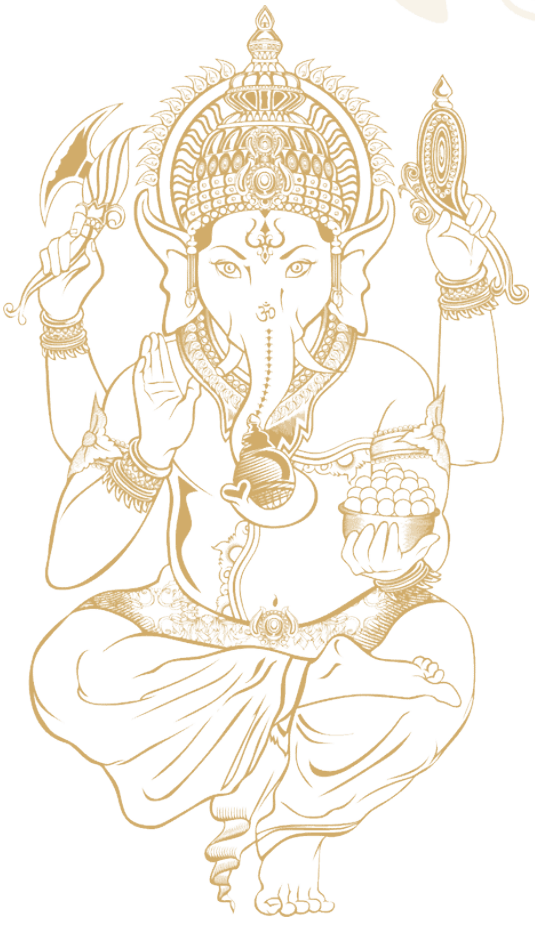

Yash dixit

V

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121886002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/09/1998	जन्म तिथि	12/09/1998
रविवार	दिन	शनिवार
घंटे 16:15:00	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 25:16:08	जन्म समय(घटी)	31:35:57 घटी
India	देश	India
Hathras	स्थान	Kota
27:36:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
78:02:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:52	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:08:32	सूर्योदय	06:10:53
18:08:59	सूर्यास्त	18:33:42
23:50:12	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 7वर्ष 7मा 8दि	02:25:54	कुंभ	लग्न	कुंभ	29:03:40	चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि	
शुक्र	10:17:34	कन्या	सूर्य	सिंह	25:44:02	राहु	
06/05/2013	24:02:02	वृश्चि	चंद्र	वृष	18:50:10	26/01/2009	
06/05/2033	29:57:45	कर्क	मंगल	कर्क	20:39:21	26/01/2027	
शुक्र 05/09/2016	11:36:24	कन्या	बुध	सिंह	14:01:36	राहु 09/10/2011	
सूर्य 05/09/2017	27:44:02	कुंभ व	गुरु व	कुंभ	29:41:41	गुरु 04/03/2014	
चन्द्र 07/05/2019	01:46:38	कन्या	शुक्र	सिंह	13:15:55	शनि 08/01/2017	
मंगल 06/07/2020	08:17:46	मेष व	शनि व	मेष	09:08:01	बुध 28/07/2019	
राहु 07/07/2023	07:04:34	सिंह व	राहु व	सिंह	07:31:05	केतु 15/08/2020	
गुरु 07/03/2026	07:04:34	कुंभ व	केतु व	कुंभ	07:31:05	शुक्र 15/08/2023	
शनि 06/05/2029	15:09:40	मक व	हर्ष व	मक	15:29:45	सूर्य 09/07/2024	
बुध 06/03/2032	05:36:08	मक व	नेप व	मक	05:46:21	चन्द्र 08/01/2026	
केतु 06/05/2033	11:56:47	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57	मंगल 26/01/2027	

लग्न-चलित

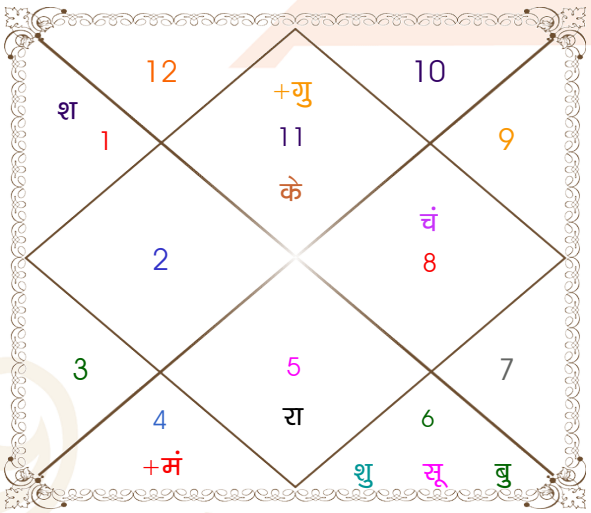

लग्न-चलित

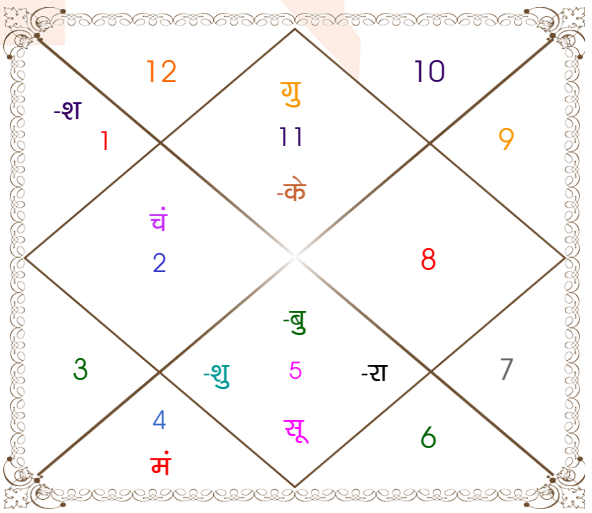

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

लैे कपगपज का वर्ग मृग है तथा V का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूV मिलान के अनुसार लैे कपगपज और V का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

लैे कपगपज मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

V मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

लैे कपगपज तथा V में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूV एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।